विद्या -भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - द्वितीय दिनांक - 18/09/2020

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित (कहानी)

झूठी शपथ

एक दिन शाम को एक चरवाहा अपने पशुओं को घर वापस ले जाने के लिए इकट्ठा कर रहा था।

उसने जब पशुओं की गिनती की तो एक बैल कम निकला। उसने आसपास उसे काफी ढूँढा मगर वह नहीं मिला।

हारकर उसने भगवान से प्रार्थना की, “हे भगवान् ! यदि मेरा बैल और उसे चुराने वाला मिल गया तो मैं एक बछड़े की बलि दूंगा। मैं यह बात शपथ लेकर कहता हूँ। बस, मेरा बैल मिल जाए।”

फिर चरवाहा अपने पशुओं को लेकर आगे बढ़ गया। थोड़ी दूर जाने पर ही उसे अपना बैल मिल गया।

उसके बैल को चुराने वाला कोई और नहीं, बल्कि एक शेर था

शेर को अपने सामने देखकर डरपोक चरवाहा थर-थर काँपने लगा और उसने शपथ ली, “हे भगवान! यदि आप मुझे इस शेर के पंजों से बचा लेंगे तो मैं एक बैल की बलि दूंगा।”
इस तरह उस चरवाहे ने सिद्ध कर दिया कि वह झूठा है और झूठी शपथ लेता है।

शिक्षा: व्यक्ति को अपनी बात से नहीं पलटना चाहिए।

ज्योति